चुकाने में असमर्थ रहते हैं। इस तरह की स्थितियों में कम्पनी दो उपाय कर सकती है–(अ) वह दोषी अंशधारी पर न चुकाई हुई मांग की प्राप्ति के लिए मुकद्दमा चला सकती है, या (आ) वह अंशों का हरण कर सकती है।

अंशों के हरण से यह तात्पर्य है कि जो अंशधारी अंशों की मांगी हुई रकम को नहीं चुकाता है, उसका नाम सदस्य-रजिस्टर से काट दिया जाता है और उसने जो रकम अपने अंशों पर दे रखी है वह रकम जब्त कर ली जाती है। तब हरित अंश सदस्य-रजिस्टर में 'हरित अंश खाते' (Forfeited Share Accounts) में प्रविष्टि कर दी जाती है। हरित अंशों का आबंटन रद्द नहीं किया जाता है और यही कारण है कि हरित अंश निर्गमित पूँजी का ही एक भाग है न कि प्रार्थित पूँजी का।

प्रथम उपाय ठीक नहीं समझा जाता, क्योंकि प्राय: कम्पनियाँ मुकद्दमेबाजी में पड़ना पसन्द नहीं करतीं। दूसरा उपाय ही अधिकतर काम में लिया जाता है और इस उद्देश्य के लिए आवश्यक अधिकार अन्तर्नियमों में दिए रहते हैं।

अंशों की न्यायपूर्ण जब्ती करने के लिए यह आवश्यक है कि अन्तर्नियमों में दिए हुए नियमों का अच्छी तरह से पालन किया जाए अन्यथा वह सताए हुए अंशधारी के आवेदन पर अदालत द्वारा रद्द की जा सकती है। हरण करने की व्यावहारिक विधि यह है कि पहले मांग न चुकाने वाले अंशधारी को कम्पनी द्वारा सूचना देनी चाहिए कि यदि एक निर्दिष्ट तिथि तक (14 दिन के नोटिस पर) बकाया मांगों की राशि नहीं दे देता तो उसके अंश जब्त कर लिए जाएंगे और उसका नाम सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। यदि इस सूचना पर भी रुपया प्राप्त न हो, तो संचालक उस अंशधारी के अंशों को जब्त कर लेते हैं।

अंशों के हरण पर लेखा करने की विधि
(Accounting entries on Forfeiture of Shares)

अंशों के हरण (जब्ती) का लेखा, जारी किये गये अंशों की प्रकृति पर निर्भर करता है। जारी किये गये अंशों की प्रकृति निम्नलिखित तीन में से कोई भी हो सकती है–

1. सममूल्य पर (At Par) निर्गमित अंश (Shares issued at par)
2. प्रीमियम पर (At Premium) निर्गमित अंश (Shares issued at premium)
3. कटौती (छूट) पर (At Discount) निर्गमित अंश (Shares issued at Discount)

उपर्युक्त तीनों प्रकार से जारी किये गये अंशों का हरण करते समय लेखा निम्न प्रकार से होते हैं–

(*i*) सममूल्य (At par) पर जारी अंशों का हरण करते समय :

Share Capital A/c	Dr.	(अब तक माँगी गई कुल राशि से)
To Shares Allotment A/c		(आबन्टन पर बकाया राशि से)
To Share Call A/c		(याचना पर बकाया राशि से)
To Share Forfeiture A/c		(अब तक प्राप्त राशि से)

(For the forfeiture of shares issued at par)

उदाहरण के लिए अतुल के पास किसी कम्पनी के 10 रु० वाले 1,000 अंश है। इन पर वह आवेदन पर 2 रु० और आबंटन पर 3 रु० दे चुका है, किन्तु प्रथम याचना के 3 रु० तथा द्वितीय याचना के 2 रु० प्रति अंश नहीं दे पाया। संचालक मण्डल के प्रस्ताव के कारण अतुल के अंशों का हरण कर लिया जाता है। ऐसी दशा में कम्पनी की पुस्तकों में अंशों के हरण की निम्न प्रविष्टि होगी :

		Rs.	Rs.
Share Capital A/c	(1,000 × 10)	Dr. 10,000	
To Share First Call A/c	(1,000 × 3)		3,000
To Share Second A/c	(1,000 × 2)		2,000
To Share Forfeiture A/c	(1,000 × 5)		5,000

(For 1,000 shares of Atul forfeited due to non- payment of first and Second Calls money)

(*ii*) प्रीमियम पर निर्गमित अंशों का हरण करते समय :

(A) यदि हरण किए जाने वाले अंशों पर प्रीमियम प्राप्त हो गया है तो अपहरण करते समय प्रीमियम की कोई प्रविष्टि नहीं होगी। उपर्युक्त प्रकार से ही प्रविष्टि की जाएगी।

(B) यदि हरण किए जाने वाले अंशों पर प्रीमियम की राशि भी बकाया हो :

Share Capital A/c	Dr.	(अब तक मांगी गई कुल राशि से)

Scanned with CamScanner

X Ltd. is registered with a nominal capital of Rs. 2,00,000 divided into 20,000 shares of Rs. 10 each, offered to the public for subscription 12,000 shares, payable @ Rs. 3 on application ; Rs. 2 on allotme and the balance on a call.

The company received applications for 16,000 shares. The directors allotted to applicants 3/4th of shares applied for. The company received all the money due on allotment and call, except the call mon on 100 shares held by A.

Pass the journal entries in the books of the company.

[Ans. Amount received on allotment Rs. 12,000 and on call Rs. 59,5

IX. Forfeiture of Shares issued at Par

21. एक कम्पनी ने 15,000 अंश 10 रु० वाले, जिन पर 3 रु० आवेदन पर, 3 रु० आबंटन पर तथा 4 रु० प्रथम व अं याचना पर निर्गमित किये। सभी अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए और अंश आबंटित कर दिये गये। सभी राशियाँ, केवल 3 अंशों पर याचना राशि को छोड़कर प्राप्त हो गईं। परिणामस्वरूप इन अंशों को संचालकों ने हरण करके 2,800 रु० में पुनर्नि कर दिया।

कम्पनी की पुस्तकों में अंशों के हरण करने तथा उनको पुनर्निर्गमित करने से सम्बन्धित प्रविष्टियाँ कीजिए।

A company issues 15,000 shares of the value of Rs. 10 each, payable Rs. 3 on application, Rs. 3 allotment and Rs. 4 on first and final call. All the shares are subscribed and duly allotted and the ca made. All cash is duly received, except the call money on 300 shares. These shares are subseque forfeited. The Directors re-issued the forfeited shares as fully paid for Rs. 2,800.

Pass necessary entries to record the forfeiture and their re-issue in the books of the company.

[Ans. Transferred to Capital Reserve Rs. 1,6

22. XYZ लिमिटेड की अधिकृत पूँजी 6,00,000 रु० थी जोकि 10 रु० प्रति अंश में विभाजित थी। इस कम्पनी ने 40, अंशों के लिये प्रार्थना-पत्र आमन्त्रित किये जो निम्न प्रकार देय थे : 3 रु० प्रति अंश आवेदन पर ; 2 रु० प्रति अंश आबंटन प रु० प्रति अंश प्रथम याचना पर और बाकी आवश्यकता पड़ने पर।

एक प्रार्थी जिसे 400 अंश आबंटित किये गये थे, आबंटन तथा प्रथम याचना की राशि नहीं दे पाया। उसके अंशों का कर लिया गया तथा 6 रु० प्रति अंश की दर से 7 रु० चुकता मान कर पुनर्निर्गमित कर दिया गया। आवश्यक जर्नल प्रवि कीजिये।

The authorised capital of XYZ Ltd. was Rs. 6,00,000 divided into shares of Rs. 10 each. It in applications for 40,000 shares payable as under : Rs. 3 per share on application; Rs. 2 per shar allotment; Rs. 2 per share on first call; and the balance when required.

An applicant who had been allotted 400 shares, failed to pay the allotment and first call money. S shares were forfeited and re-issued at Rs. 6 per share, credited as Rs. 7 paid up. Make necessary Jo entries. [Ans. Capital Reserve Rs. 800; Arrear on allotment and on final call Rs. 800 c

23. अजय कम्पनी लि० के संचालकों ने 20 रु० वाले 5,000 समता अंशों का हरण कर लिया। इन अंशों पर X ने प्रति अंश की दर से भुगतान किया था। संचालकों ने इन अंशों को 8 रु० प्रति अंश की दर से Y का पुनर्निर्गमित कर दिया अंशों पर 5 रु० की अन्य मांग की गई। Y ने इस मांग का भुगतान कर दिया। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजि

The Directors of Ajay & Co. Ltd. have forfeited 5,000 shares of Rs. 20 each, on which Rs. 10 been paid by X. They re-issue the shares to Y at Rs. 8 per share and make a further call of Rs. 5 per and this is paid by Y. Make the necessary Journal entries in the books of the Company.

[Ans. Capital Reserve Rs. 15

24. (*a*) एक कम्पनी ने 10 रु० वाले 30 अंशों का हरण किया जिन पर 8 रु० प्रति अंश मांगा गया था। इन प प्रार्थना-पत्र एवं आबंटन का 6 रु० प्रति अंश दे दिया था। इनमें से 25 अंशों का Y को 7 रु० प्रति अंश की दर से, पूर्ण द में पुनर्निर्गमन कर दिया गया। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

A Company forfeited 30 shares of Rs. 10 each, Rs. 8 per share called up, on which X ha application and allotment money of Rs. 6 per share. Of these, 25 shares were re-issued to Y as full up, for Rs. 7 per share. Pass necessary Journal entries.

[Ans. Balance of Share Forfeiture A/c Rs. 30. Transferred to Capital Reserve R

Scanned with CamScanner